(xi) Proposal to set up truck engine manufacturing factory in Alwar by Ashoka Leyland Company

श्री राम सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत सरकार का ध्यान निम्नलिखित विषय की ओर दिलाना चाहता हूं :

राजस्थान में अलवर मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में "दि आशोका लीलैण्ड कम्पनी ट्रक एंजिन बनाने का कारखाना लगाना चाहती है। कम्पनी ने तत्संबंधी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करली है और अलवर में कारखाना लगाने हेतु स्थान का चयन करलिया है। इस प्रोजेक्ट पर 2,50,00,00,000 (दो सौ पचास करोड़) रुपया खर्च होगा। इस प्रोजेक्ट से (कारखाना लागू होने से) क्षेत्र के मजदूर एवं शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा, किन्तु सरकार की लापरवाही के कारण इस कारखाने के लगाने मे विलम्ब हो रहा है, जिससे क्षेत्र के मजदूर एवं शिक्षित बेरोजगारों में असंतोष व्याप्त हो रहा है। यह प्रश्न अविलम्बनीय लोकमहत्व का है। सरकार इस ओर शीघ्र कदम उठाए और कारखाना लगाने में सहयोग करे।

(xii) Steps to meet famine situation in Madhya Pradesh.

DR. VASANT KUMAR PANDIT (Rajgarh): The drought and famine situation in M.P. is assuming alarming gravity causing rural population untold hardships. The scarcity works are proving insufficient to give work to the unemployed. The food-for-work projects have to be backed by sufficient stock of foodgrains. The problem of drinking water is becoming grave and during the coming three months large section of population will have to migrate, creating new problems in urban areas. Even the rodder and grass for animals will pose a challenge. This Government should therefore act on war-footing to augment the State financial resources, foodgrain and fodder stocks in M.P. Besides, in the areas where people suffered drought in 1978 Kharif and Rabi season, some provision for doles to the needy must be planned now. Camps for animals and labour have to be chalked out from now. The Government should face this alarming drought situation with a will and determination to save hunger deaths and loss of animal wealth.

I call upon the Government to make an all-out drive to meet the grave challenge of drought and famine in M.P., particularly in Districts like Rajgarh, Guna and other areas which have gone through the drought in both the seasons of 1979.

The Administration in M.P. must approach the problem, keeping aside political pressures, from a humanitarian point of view. It would build up the confidence of the public in M.P. if the Administration and the Chief Secretary announce the complete details of the plans for facing this grave problem for the next four months of drough and famine.

(xiii) Export duty on turmeric

SHRI G. NARSIMHA REDDY (Adilabad): Andhra Pradesh produces more than 35 per cent of turmeric produced in the country. The turmeric is also exported and in 1978-79, we have exported more than 10,000 tonnes worth Rs. 11.03 crores. Normal market price of turmeric in our country was about Rs. 5000 per M.T.

Unfortunately, during the Janata Government, for the first time they have levied export duty of Rs. 2000 per M.T. from 20th January, 1979 onwards. The merchants who purchased and exported, automatically have thrown the burden of export duty on agriculturists. As a result, the price of turmeric has come down to Rs. 2,500/- per M.T. Thereby the agriculturists have suffered heavy losses. Most of them did not even get back their investment. If the same export duty is continued then the agriculturists may not grow turmeric at all; thereby not only scarcity of turmeric will be created in our country but the Government will

also lose foreign exchange of more than Rs. 11 crores per year. Therefore, the Government should immediately withdraw the export duty on turmeric and save the agriculturists from losses and also save the turmeric from being vanished from our country.

(xiv) Reported shortage of drinking water in certain districts of Bihar.

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा) : बिहार प्रदेश के उत्तरी छोटा नागपुर प्रमण्डल के गिरिडीह, हजारी बाग, धनबाद रांची, पलामू, संथाल परगना के हरिजन, आदिवासी एवं पिछड़ी जातियों के ग्रामों में पेयजल का भंयकर संकट उपस्थित हो गया है। अकाल एवं भंयकर सूखे से जनता त्रस्त है। अन्न संकट से भी लोग भूखों मरने की नौबत में हैं। सम्प्रति लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण बिभाग के द्वारा जो पेयजल की व्यवस्था की जा रही है वह सर्वथा अपर्याप्त है। रिग मशीनों की भारी कमी है। अधिकारी लोग टाल-बेटाल करते जा रहे हैं। गिरिडीह जिले में पंचायत समितियों में पारित किये गए प्रस्तावों के अनुसार भी चापाकल नहीं लगाये जा सके हैं। बिहार रिलीफ़ कमेटी की एक शाखा बगोरदर द्वारा पेयजल का सिचाई कूपों के निर्माण कुछ प्रखण्डों में 200 से 400 की संख्या में करवाये जा रहे हैं जो काम केवल बड़े तबके के लोगों के लिये पक्षपातपूर्ण ढंग से किया जा रहा है। अनुचित लाभ कमाने के लिये भी किसानों को बहुत तबाह किया जाता है। इस दिशा में निगरानी विभाग को लगाना औचित्यपूर्ण होगा। एक सर्वांगपूर्ण सर्वेक्षण सभी क्षेत्रों का कराना चाहिये ताकि कोई भी गांव, मुहल्ले, टोले नहीं छूटें वहां पेयजल की कमी को सुनिश्चित कालबद्ध योजना बना कर समाप्त किया जाना लोकप्रिय सरकार का अविलम्बनीय लोक-महत्व का प्रश्न है। इस दिशा में नजरअन्दाज करना जनहित की उपेक्षा होगी। अतः तुरन्त राज्यपाल, बिहार प्रशासन से कारगर कार्रवाई करा कर जल संकट तथा अन्न संकट कम से कम गिरिडीह एवं हजारीबाग जिले में प्राथमिकता देकर दूर किया जाय।

श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा : (आरा) : बिहार स्थित पटना जिला के मनेर प्रखण्ड में जीवराखन टोला गंगा की तेज धार से कट रहा है इस गांव की जनसंख्या लगभग 4000 थी। गांव के आधे से अधिक मकान गंगा की धारा में विलीन हो गये। अनेक व्यक्ति और जानवर भी गंगा की तेज धारा में डूब कर मर गये।

यह कटाव लगभग एक वर्ष से चल रहा है। इन की बचाव एवं रक्षा के लिये अभी तक कोई कारगर कार्यवाही नहीं हो रही है। ये बेघर होकर जानवरों के साथ इधर-उधर भटक रहे है। कहीं कोई स्थान नहीं है। स्मरणीय है कि इस गांव में बसने वाले अधिकांश हरिजन और पिछड़े वर्ग के लोग हैं।

अतः सरकार से आग्रह है कि कटाव पीड़ित परिवारों को बसने के लिये मुफ्त जमीन दें, मकान बनावें और उनके जानवरों के लिये अन्न और चारे की व्यवस्था करें।

(xvi) Exploiting the name of the prime minister in advertisements by liguor vendors.

SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South): Sir, I beg to raise the following matter under rule 377:—

A liquor vendor at Ulhas Nagar, Bombay, has given an advertisement in a local daily congratulating his customers on the Republic Day. He has published as a part of the advestisement a photograph of Prime Minister Shrimati Indira Gandhi in the Centre and his own alongside bearing his name. The advertisement is reproduced in the issue of *Hindi Current* dated the 15th March, 1980. It proceeds to state that the vendor, Shri Duni Chand Kalani, is the Pre-